परिवर्तन करता है कि व्यक्ति तथा समाज दोनों ही उन्नति के शिखर पर चढ़ते रहें।

शिक्षा की परिभाषा (Definition of Education)

शिक्षा विकास की प्रक्रिया है। शिक्षा जीवन सापेक्ष है। प्रत्येक युग के विचारकों एवं शिक्षा-शास्त्रियों ने अपने युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर शिक्षा की परिभाषा दी है। उनके दृष्टिकोणों एवं उद्देश्यों में अन्तर होने के फलस्वरूप शिक्षा के सम्बन्ध में उसकी धारणा भी बदलती रही है। इसीलिए शिक्षा की कोई निश्चित एवं मान्य परिभाषा देना संभव नहीं है। कोई भी परिभाषा इसके पूर्ण अर्थ का परिचय नहीं देती, सभी एकांगी दिखाई पड़ती है।

विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रस्तुत की हुई निम्नलिखित परिभाषाओं पर प्रकाश डाल रहे हैं:—

Scanned with CamScanner

(अ) शिक्षा जन्मजात शक्तियों को व्यक्त करने की प्रक्रिया के रूप में (Education as a process of Drawing out the Innate powers):

i) सुकरात :- "शिक्षा का अर्थ - प्रत्येक मनुष्य के मस्तिष्क में अदृश्य रूप से विद्यमान संसार के सर्वमान्य विचारों के प्रकाश में लाना।"

ii) फ्रोबेल - "शिक्षा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बालक की जन्मजात शक्तियों बाहर प्रकट होती है।"

iii) विवेकानन्द - "शिक्षा मनुष्य के अन्दर सन्निहित पूर्णता का प्रदर्शन है।"

ब) शिक्षा वैयक्तिकता के विकास की प्रक्रिया के रूप में (Education as a process of Development of Individuality)

i) टैगोर - "शिक्षा का अर्थ मस्तिष्क को इस योग्य बनाना है कि वह सत्य की खोज कर सके --- तथा अपना बनाते हुए उनको व्यक्त कर सके।"

ii) पेस्टालॉजी - "शिक्षा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का स्वाभाविक, समरूप तथा प्रगतिशील विकास है।"

iii) टी॰ पी॰ नन - "शिक्षा बालक की वैयक्तिकता का पूर्ण विकास है जिससे वह अपनी पूर्ण योग्यता के अनुसार मानव जीवन को मौलिक योगदान दे सके।"

Scanned with CamScanner

(ii) काण्ट - "शिक्षा व्यक्ति की उस पूर्णता का विकास है जिसकी उसमें क्षमता है।"

(2) शिक्षा समूह में परिवर्तन करने की प्रक्रिया के रूप में (Education as a process of Producing change in the group)

i) ब्राउन - "शिक्षा चैतन्य रूप में एक नियंत्रित प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन किये जाते हैं तथा व्यक्ति के द्वारा समाज में।"

ii) Reorganization of the Secondary Schools U.S.A (Report of Commission) - "शिक्षा का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के ज्ञान, रुचियों, आदर्शों, आदतों तथा शक्तियों का विकास करना है, जिसके द्वारा उसे अपना उचित स्थान प्राप्त हो सके तथा वह इस स्थान का सदुपयोग कर स्वयं तथा समाज को उच्च एवं पवित्र उद्देश्यों की ओर ले जाये।"

(3) शिक्षा वातावरण से अनुकूल करने की प्रक्रिया के रूप में - (Education as a process of Adjustment to Environment)

i) बॉसिंग - "शिक्षा का कार्य व्यक्ति को वातावरण के ~~रूप~~ साथ उस सीमा तक अनुकूल कराना है, जिससे व्यक्ति तथा समाज दोनों के लिए स्थायी सन्तोष प्राप्त हो सके।"

ii) बटलर - "शिक्षा प्रजाति की आध्यात्मिक सम्पत्ति के साथ व्यक्ति का क्रमिक सामंजस्य है।"

Scanned with CamScanner

iii) जेम्स - "शिक्षा का कार्य सम्बन्धों अर्जित आदतों का संगठन है, जो व्यक्ति को उसके भौतिक और सामाजिक वातावरण में उचित स्थान देती है।"

कुछ अन्य विद्वानों के अनुसार शिक्षा की परिभाषाएँ :-

भारतीय विद्वान :-

चाणक्य - "वास्तविक शिक्षा मानव को एक सुयोग्य नागरिक बनाना सिखाती है तथा उसके हृदय में जाति एवं प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न करती है।"

महात्मा गाँधी - "शिक्षा से मेरा तात्पर्य है कि बालक और मानव में पूर्ण रूप से शारीरिक, बौद्धिक तथा आध्यात्मिक बल की सर्वांगीण उन्नति हो।"

शंकराचार्य - "शिक्षा मानव को आत्म-साक्षात्कार सिखाती है।"

अरविन्द घोष - "अन्तर्निहित ज्योति की उपलब्धि के लिए शिक्षा विकासशील आत्मा की प्रेरणादायिनी शक्ति है।"

पाश्चात्य विद्वान -

अरस्तू - "स्वस्थ शरीर में स्वस्थ आत्मा का विकास करना ही शिक्षा का मुख्य ध्येय है।"

"Education is creation of a Sound mind in a Sound body."

Scanned with CamScanner

हरबर्ट - "शिक्षा ही जीवन है।" Education is Life".

जॉन डिवी - "शिक्षा वातावरण को नियंत्रित करने वाली वह शक्ति है जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपनी निहित संभावनाओं की पूर्ति कर सके।" Education means the development of all the capacities in the individual which will enable him to control his environment and fulfil his possibilities."

हरबर्ट - "अच्छे नैतिक चरित्र का विकास ही शिक्षा है।" "Education is the development of a good moral charac

हडीसन - "जब शिक्षा मानव मस्तिष्क को प्रभावित करती है तो वह उसके प्रत्येक गुण और पूर्णता को बाहर निकालने का काम व्यक्त करती है।" When education works on a mind, it draws out to view every latent virtue perfection".

मराट - "शिक्षा व्यक्ति में उस सब पूर्णता का विकास है जिसकी उसमें क्षमता है।"
"Education is the development in the individual the perfection of which he is capable"